अनहद

उत्तराखण्ड शासन

प्रवेशांक

त्रैमासिक ई-पत्रिका

फरवरी – अप्रैल 2023

राजकीय महाविद्यालय गदरपुर (ऊ.सिं. नगर , उत्तराखण्ड)

Website : gdcgadarpur.in
E-mail: gdcgadarpur@gmail.com

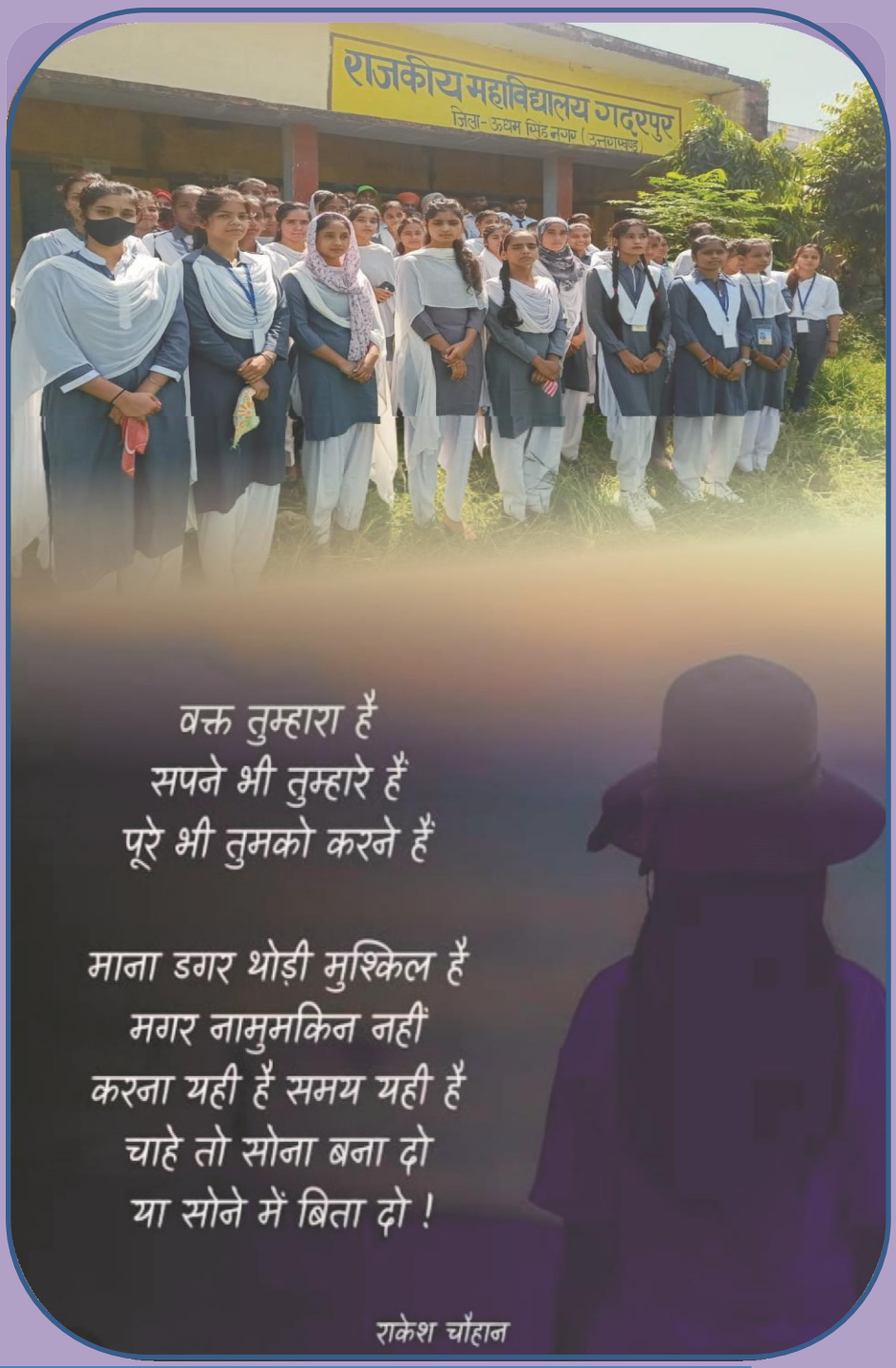

सम्पादक मंडल

संपादक :

सुश्री तनुजा परिहार
अर्थशास्त्र विभाग

सहसंपादक :

1. कु० विदिशा कर - छात्रा
2. शशांत कुमार – छात्र

सदस्य :

1. श्री गौरव जोशी (तकनीकी सहयोगी)
2. श्रीमती नीतू सिंह

सलाहकार :

1. डॉ० अशोक कुमार (एसो० प्रो० समाजशास्त्र)
2. डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रो० हिंदी)

संरक्षक :

प्रो० शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

शिक्षा मानसिक व्याधियों से मुक्त होने का मानसिक उपचार है | - प्लेटो

INDEX

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	शुभकामना संदेश	1-2
2.	प्राचार्य संदेश	3
3.	सम्पादकीय	4
4.	झलकियाँ	5-6
5.	समाचारिका	7-8
6.	HAPPINESS	9
7.	गौरा देवी	10
8.	गुरु की वाणी	11
9.	अतिथियों की कलम से	12
10.	महाविद्यालय परिवार + महाविद्यालय एक दृष्टि में	13
11.	INFO DESK	14

शुभकामना संदेश

अरविन्द पाण्डेय
विधायक
65-गदरपुर विधान सभा
उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड राज्य

निवास-वार्ड नं0-3, संतोषनगर
नगर पंचायत गूलरभोज, गदरपुर
जिला-ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड) पिन-262401
फोन/फैक्स:-05949 245300
मो0 9412089301, 9927978170

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अति हर्ष हुआ है कि राजकीय महाविद्यालय गदरपुर ऊधम सिंह नगर द्वारा त्रैमासिक ई–पत्रिका **अनहद** का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिकाएँ हमारे जीवन में सफलता के मार्ग को प्रशस्त करने सहित ज्ञान के उत्कर्ष का माध्यम हैं। यह जीवन का दर्शन और व्यवस्थित समाज के निर्माण का आधार होती हैं। अध्यापकगणों एंव विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम से पृथक विचारों की अभिव्यक्ति हेतु लेखन की भावना विकसित करने का यह सराहनीय प्रयास है।

मैं इस आशा के साथ कि **अनहद** पत्रिका विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो व सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

सादर

आपका

अरविन्द पाण्डेय
विधायक
65–गदरपुर विधान सभा
पूर्व मंत्री विद्यालयी शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा
संस्कृत शिक्षा, खेल, युवा कल्याण, पंचायती राज
(उत्तराखण्ड)

दिनांक 01/08/2023

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड

हल्द्वानी – 263139 (नैनीताल)

Mail-Higherducation.director@gmail.com

प्रो0(डा0 सी0डी सूंठा)
निदेशक (उच्च शिक्षा)

अर्द्धशासकीय पत्रांक 2567 / 2023–24
दिनांक 27 जुलाई 2023

संदेश

महोदय,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि राजकीय महाविद्यालय, गदरपुर की त्रैमासिक ई–पत्रिका **"अनहद"** का प्रवेशांक प्रकाशित किया जा रहा है।

पत्रिका महाविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण दर्पण होती है, जो अध्ययनरत विद्यार्थियों को उनमें अन्तर्निहित मौलिक सृजनात्मक प्रतिभा के विकास एवं अभिव्यक्ति का सुलभ अवसर प्रदान करती है। रचनाशीलता का विकास उच्च शिक्षण संस्थान का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य होता है। **"अनहद"** इस लक्ष्य की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम होगी। शिक्षकों के आलेख एवं रचनाऐं सृजनात्मकता को मुखरित एवं अभिप्रेरित करने में सहायक होने के साथ ही विद्यार्थियों के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभागिता को प्रतिबिम्बित करती है, जो उच्च शिक्षण संस्थानों को ज्ञान समाज के निर्माण के गन्तव्य की ओर अभिमुखीकृत करती है। वस्तुतः त्रैमासिक ई–पत्रिका के माध्यम से न केवल चिन्तन, मनन, सृजन एवं नवाचार की श्रंखला उदित अभिपुष्ट एवं परिवर्द्धित होती है, बल्कि संस्था की गतिविधियों के संबंध में अद्यावधि सूचनायें हितधारकों को प्राप्त होती रहती है।

मै उक्त पत्रिका के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, समस्त प्राध्यापको एवं छात्र/छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित।

प्रो0 (डा0 सी0डी0सूंठा)

सेवा में,

प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय
गदरपुर, उधम सिंह नगर।

प्राचार्य संदेश

युवा उर्जा का वह पुंज होता है जिसमें तम और द्युति दोनों समाहित हैं | यदि उसके रचनात्मक पहलू को परिष्कृत कर उसे लेखन का कौशल प्राप्त करने में मार्गदर्शन दिया जाए तो निश्चय ही वह उजाला ही बिखेरेगा | निसंदेह युवाओं में सन्निहित रचनात्मकता को संवार और निखारकर उनके व्यक्तित्व को उन्नत और कल्याणकारी बनाया जा सकता है |

महाविद्यालय की त्रैमासिक ई-पत्रिका "अनहद" ने विद्यार्थी के हाथ में कलम और उसके पंखों को आसमान देकर स्वयं को सिद्ध करने का एक सुन्दर अवसर प्रदान किया है | विद्यार्थियों ने भी पर्याप्त रूचि दिखाई है |

रा० महा० गदरपुर के विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि के सरल और अनगढ़ युवा हैं, इन्हें वांछित प्रेरणा व कुशल दिशा निर्देशन प्रदान कर इनकी रचनाओं को प्रकाशन योग्य बनाने में सम्पादक मंडल ने समुचित श्रम किया है , सम्पादक मंडल के सदस्य इसके लिए बधाई के पात्र है,

अनन्त शुभकामनाओं सहित ,

प्रो. शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर
(ऊ.सि.नगर)

सम्पादकीय

कोई भी शिक्षण संस्थान शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों का कलात्मक पक्ष भी विकसित करने का उद्देश्य रखता है , इसी क्रम में यह त्रैमासिक ई- पत्रिका "अनहद" बहुत सी आशाएं एवं उम्मीदें समेटे हुए तथा छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आपके कर-कमलों में समर्पित है | प्राचार्य महोदया की प्रेरणा से इस महती कार्य को करने का मनोबल संजो पायी हूँ | आशा है कि मेरी त्रुटियों को क्षमा करते हुए मुझे उनसे अवगत कराएंगे जिससे कि "अनहद" में उत्तरोत्तर सुधार हो सके |

सुश्री तनुजा परिहार
सम्पादक
त्रैमासिक ई-पत्रिका "अनहद"

झलकियाँ

उपनिदेशक, उच्च शिक्षा महोदय द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण
दिनांक : 17 अप्रैल 2023

संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा महोदय द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण
दिनांक : 27 फरवरी 2023

कु.वि.वि. द्वारा गठित पैनल का महाविद्यालय में निरीक्षण
दिनांक : 10 अप्रैल 2023

महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं द्वारा हस्तनिर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी
दिनांक : 03 अप्रैल 2023

आपदा प्रबंधन समिति द्वारा अग्निशमन विभाग के माध्यम से
आयोजित **प्रशिक्षण कार्यक्रम** दिनांक : 15 दिसम्बर 2022

पी.एम. टी.बी. मुक्त अभियान समिति द्वारा क्षय रोगी को पोषण आहार वितरण दिनांक : 29 मई 2023

" Money and success don't change people , they merely amplify what is already there. " – Will Smith

कृमि मुक्ति हेतु दवाइयों का वितरण कार्यक्रम (दिनांक : 20-04-2023)

G-20 के अंतर्गत कौशल विकास समिति द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम (दिनांक : 15-03-2023)

प्लास्टिक उन्मूलन जागरूकता रैली (दिनांक : 23-03-2023) तथा (दिनांक : 06-04-2023)

क्रीडा प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम (दिनांक : 27-03-2023) से (दिनांक : 28-03-2023)

G-20 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं व्याख्यान (दिनांक : 11-03-2023) तथा (दिनांक : 23-03-2023)

समाचारिका

कुमाऊं विवि के पैनल ने गदरपुर कॉलेज का किया निरीक्षण

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय गदरपुर की अस्थायी संबद्धता के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय से गठित पैनल ने स्थलीय निरीक्षण किया। प्रोफेसर इंदु पाठक के नेतृत्व में छह सदस्यीय पैनल राजकीय महाविद्यालय पहुंचा। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ शर्मिला सक्सेना ने पैनल में शामिल सदस्यों का स्वागत किया।

पैनल ने विद्यालय के पुस्तकालय, कार्यालय एवं कक्षा-कक्षों का निरीक्षण करते हुए छात्र-छात्राओं से सुविधाओं के बारे में बातचीत की। वहां पर डॉ. अशोक कुमार, प्रमोद वर्मा, डॉ. श्रीहरि प्रसाद, डॉ अर्चना वर्मा, तनुजा परिहार, प्रभजीत कौर, नीतू सिंह आदि मौजूद थे। संवाद

डिग्री कालेज गदरपुर परिसर तंबाकू निषेध क्षेत्र घोषित

गदरपुर। राजकीय डिग्री कॉलेज गदरपुर का तंबाकू उन्मूलन कार्यक्रम की चार सदस्यीय टीम ने निरीक्षण किया।

एसआई महेश चंद के साथ डॉ माया खर्कवाल, डॉ टीना रावत, डॉ मनोज भट्ट डिग्री कॉलेज पहुंचे। टीम ने कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। इसके बाद कॉलेज परिसर को शत-प्रतिशत तंबाकू निषेध क्षेत्र घोषित किया। संवाद

राष्ट्रीय शिक्षा संवर्धन योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा संवर्धन योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्विंग टेक्नोलॉजी संस्थान की अनुदेशक शबाना परवीन ने छात्र-छात्राओं को कौशल विकास के बारे में जानकारी दी। डॉ. अर्चना वर्मा ने संचालन किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना, कौशल विकास समिति के संयोजक अशोक कुमार, डॉ. हरिप्रसाद, डॉ. प्रमोद वर्मा, तनुजा परिहार, मदन सिंह, विजय गिरी, मनोज पनेरू, गौरव जोशी, प्रभजोत कौर, नीतू सिंह, सलोनी, अंजू रानी, प्रिया, अंजलि, सिमरन आदि थे। संवाद

राष्ट्रीय शिक्षा संवर्धन योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा संवर्धन योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता स्विंग टेक्नोलॉजी संस्थान की अनुदेशक शबाना परवीन ने छात्र-छात्राओं को कौशल विकास के बारे में जानकारी दी। डॉ. अर्चना वर्मा ने संचालन किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना, कौशल विकास समिति के संयोजक अशोक कुमार, डॉ. हरिप्रसाद, डॉ. प्रमोद वर्मा, तनुजा परिहार, मदन सिंह, विजय गिरी, मनोज पनेरू, गौरव जोशी, प्रभजोत कौर, नीतू सिंह, सलोनी, अंजू रानी, प्रिया, अंजलि, सिमरन आदि थे। संवाद

तकनीकी विकास ने जीवन को सरल बनाया

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय गदरपुर में डिजिटाइजेशन ऑफ इंडिया विषय पर राजकीय महाविद्यालय शीतलाखेत के प्राचार्य डॉ. एलपी वर्मा ने व्याख्यान दिया।

उन्होंने बताया कि तकनीकी विकास ने जीवन को सरल बनाया है। डिजिटाइजेशन ने बैंकिंग, रेलवे एवं ट्रैफिक सहित अन्य क्षेत्रों में बड़ा परिवर्तन किया है। वहां पर प्राचार्य डॉ शर्मिला सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अशोक कुमार, डॉ अर्चना वर्मा, तनुजा परिहार, प्रभजोत कौर, संजय कुमार, शिवानी सैनी, किरण कौर, प्रियंका आदि थीं। संवाद

क्षय रोग से पीड़ित को बांटा पोषाहार

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय की प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान समिति ने क्षय रोग से पीड़ित छात्रा को गोद लिया था। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना ने समिति के पदाधिकारियों के साथ सोमवार को छात्रा को पोषाहार दिया और उनके स्वस्थ होने पर बधाई दी। डॉ. सक्सेना ने बताया कि अब समिति ने क्षय रोग से पीड़ित एक छात्र को भी गोद लिया है। इस दौरान डॉ. अर्चना वर्मा, प्रमोद कुमार, तनुजा परिहार, दिव्या मेहता, विजय गिरि, मनोज पनेरू आदि मौजूद थे। संवाद

पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग की तरफ से जी 20 सम्मेलन को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य शर्मिला सक्सेना ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। वहां पर राजकीय अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज के प्रवक्ता डॉ शांतनु त्यागी और विवेक, संयोजक डॉ. प्रमोद वर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अशोक कुमार, डॉ.अर्चना वर्मा, डॉ. हरिप्रसाद, डॉ. तनुजा परिहार आदि मौजूद थे। संवाद

हस्त निर्मित लिफाफे बांटे

गदरपुर। गदरपुर डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बृहस्पतिवार को हस्तनिर्मित लिफाफे लेकर दुकानदारों से प्लास्टिक व पॉलिथीन से बने उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की। इस दौरान प्राचार्य शर्मिला सक्सेना, डॉ अर्चना वर्मा, डॉ अशोक कुमार, तनुजा परिहार आदि थीं। संवाद

प्राकृतिक और उपयोगी वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में कौशल विकास सेल एवं इतिहास विभाग की ओर से हस्तनिर्मित प्राकृतिक एवं उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना ने किया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने हस्त निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विकास कुमार ने प्रथम, मुस्कान बेगम ने द्वितीय, राहुल मिश्रा, विदिशा कौर एवं जमुना तृतीय स्थान पर रहे। अटल उत्कृष्ट जीआईसी गदरपुर के प्रवक्ता अनिल कुमार सिंह एवं आदर्श त्रिपाठी निर्णायक थे। वहां डॉ. हरी प्रसाद, प्रमोद कुमार वर्मा, तनुजा परिहार, प्रभजोत कौर थे। संवाद

गदरपुर राजकीय महाविद्यालय तंबाकू निषेध क्षेत्र घोषित

संसू, गदरपुर : जिला चिकित्सालय रुद्रपुर के तंबाकू विभाग की पांच सदस्यीय टीम ने राजकीय महाविद्यालय गदरपुर का निरीक्षण कर परिसर को शत-प्रतिशत तंबाकू निषेध क्षेत्र घोषित किया। उप निरीक्षक महेश चंद ने बुधवार को टीम के साथ महाविद्यालय का निरीक्षण कर कहा कि महाविद्यालय में तंबाकू जैसी चीजें मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीम ने महाविद्यालय के बाहर मुख्य मार्ग के आसपास की दुकानों को भी देखा। इस दौरान प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना ने महाविद्यालय में गठित एंटी ड्रग सेल के बारे में जानकारी दी। टीम में डा. माया खर्कवाल, डा. टीना रावत, डा. मनोज भट्ट, एंटी ड्रग सेल के संयोजक डा. श्रीहरि प्रसाद, डा. अशोक कुमार, डा. अर्चना वर्मा, डा. प्रमोद वर्मा, तनुजा परिहार, गौरव जोशी, विजय गिरी, मनोज पनेरु, मदन सिंह, नीतू सिंह मौजूद थे।

STUDENTS 'CORNER

Happiness

Happiness is a sense of well-being, joy or contentment and its also defined as a positive emotional state. Happiness is most important for our emotional and physical health. "Being happy doesn't just make us feel better, it improves our strength it helps us eat healthier, be more active and sleep better." Because of happiness leads to healthier behaviors, it helps state off high blood pressure and excess body fat, resulting in lower risk of stroke and cardiovascular disease, reduced depression, strengthen your immune system, fast recovery from any kind of illness or wound. When you feel happy your body releases 3 types of hormones which is **Serotonin, Dopamine** and **Endorphins.** The **World Happiness Index 2023**, which ranked India among the least happy countries. India came at the **126th** position out of 137. **Kanpur** in India's Uttar Pradesh is the only city from India to be in the list of the happiest cities.

Vidisha Kar
Co-editor
B.A. IInd Year

गौरा देवी

गौरा देवी – उत्तराखंड की महान नारियों में से एक हैं , इन्होने जनहित के लिए अपने पूरे जीवन को अर्पण कर दिया | इनको प्रथम वृक्षमित्र पुरुस्कार से सम्मानित किया जा चुका है , पर्यावरण को बचाने में इनका महती योगदान है, गौरा देवी को "चिपको आन्दोलन" की जन्मदात्री के रूप में माना जाता है , आइये इनके बारे में थोड़ी सी चर्चा करें –

- गौरा देवी का जन्म 1925 में चमोली के लाता गाँव में हुआ था , इन्हें चिपको आन्दोलन की जननी भी कहा जाता है , गौरा देवी के इस आन्दोलन में उनके पीटीआई मेहरबान सिंह को बहुत सारे कोड़ों की मार झेलनी पड़ी , शादी के 20 वर्ष उपरांत मेहरबान की मृत्यु हो जाने के कारण गौरा देवी को अपने बच्चे का लालन-पालन करने में काफी दिक्कतें आई थी | कुछ समय बाद गौरा देवी महिला मंडल की अध्यक्ष भी बन गई थी |
- अलामांडा में चंडी प्रसाद भट्ट तथा गोविन्द सिंह रावत नामक लोगों ने अभियान चलाते हुए सन् 1974 में 2500 देवदार वृक्षों को कांटने के लिए चिन्हित किया गया था लेकिन गौरा देवी ने इसका बड़ा विरोध किया तथा पेड़ों की रक्षा करने का अभियान चला दिया , इसी कारण गौरा देवी चिपको वूमन के नाम से भी जानी जाती है |
- हमें गौरा देवी के आदेश मानते हुए अपने पर्यावरण की रक्षा जी-जान से करनी चाहिए क्योंकि हमारा पर्यावरण हमारा सुरक्षा कवच है |

SHASHANT KUMAR
Co-editor
B.A. II[nd] Year

गुरु की वाणी

Sculpture History of Ancient India

Among various art forms sculptural art emerged as the most Favoured medium of artistic expression on the Indian Subcontinent with its long drawn history ancient sculptural art is traced since Indus valley civilization with various forms of sculptures made of wood metal and terracotta example being the bronze dancing girl .Sculptural art in India emerged as the expression of religion depicting various themes drawn from religion mainly Buddhism, also sculptures became another medium for the religious propagation. Among all the religions Buddhism emerged as significant expression of the sculptural art even the local cults like those of yaksha and Yakshani Also got assimilated into Buddhism thus the great tradition of the Indian monumental sculpture In stone appears to begin relatively late, with the Reign of Ashok from 270 to 232 BC and pillars of Ashok directed around India comma carrying his addicts and topped by famous sculptures of animals mostly lions. Large amount of figurative sculpture mostly in Relief survive from early Buddhist pilgrimage to pass above all Sanchi. These probably developed out of a tradition using wood that also embraced Hinduism. During second to first century BC in far northern India in the Greco Buddhist art of Gandhara sculpture became more explicit representing episodes of buddha's life and teachings. The pink sandstone Buddhist Jeena and Hindu sculptures of Mathura from first to 3rd century CE reflected both native Indian tradition and the western influences through the Greco Buddhist art of Gandhara and effectively established the basis for subsequent Indian religious. The style was developed and diffused through most of India under the Gupta empire which remains A classical period for Indian sculpture covering the Earlier Ellora caves, Do the elephants caves are probably slightly later. Letter largest scale sculpture remains almost exclusively religious and generally rather conservative of Often Reverting 2 simple frontal standing poses for deities do the attendant spirits such as apsaras and Yakshi Often have seriously curving poses. Carving is highly detailed with an intricate backing behind the main an intricate backing behind the main figure in the high relief figure in high relief. The celebrated bronze Bronze images of chola dynasty from south India many designs to be carried in processions, include iconic form of Shiva as Natraj with basin granite carvings of Mahabalipuram dating from the previous Pallava dynasty. Thus, the ancient Indian sculpture art has a rich tradition that glorifies past even today.

Miss Prabhjot Kaur
Department Of HISTORY
GOVT. DEGREE COLLEGE GADARPUR

अतिथियों की कलम से

"Academic Bank of Credit"

"अकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट"

अकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट क्या है? इसको जानने से पहले हमें बैंक के बारे में जानना होगा | बैंक का मतलब क्या होता है , बैंक वह प्रणाली है जहाँ हम अपने पैसे को सुरक्षित रख सकते हैं और आवश्यकता पढने पर उनको निकालकर उपयोग कर सकते हैं | इसी प्रणाली को ध्यान में रखते हुए हमारे परमश्रदेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 29.07.2021 को एक योजना की शुरुआत की जिसका नाम है "Academic Bank Of Credit" जिस तरह हम अपना बैंक में खाता खोलकर अपनी जमा पूंजी बैंक में रख सकते हैं एवं आवश्यकता होने पर उसका उपयोग कर सकते हैं | उसी तरह प्रत्येक छात्र अपनी पढाई के समय जो क्रेडिट प्राप्त करेगा उसको "Academic Bank of Credit" में जमा कर सकता है एवं आवश्यकता होने पर अपने क्रेडिट को डिप्लोमा / डिग्री प्राप्त करने हेतु निकाल सकता है | "Academic Bank of Credit" का प्रत्येक छात्र कस्टमर होगा , इस ऑनलाइन बैंक में छात्र का खाता खोला जाएगा | खाता खोलने के पश्चात छात्र को ABC ID नं. दिया जाएगा , यह एक ऐसी प्रणाली है जो कई फ़ील्ड्स को एक साथ जोड़कर छात्र को डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त करने में मदद करेगी |

इस योजना के तहत छात्र एक साथ अलग-अलग विषयों की पढाई अलग-अलग संस्थानों से एक साथ कर सकेगा | जैसे कॉमर्स के साथ साइंस या फिर साइंस के साथ म्यूजिक |

अब आप सोच रहे होंगे कि यह क्रेडिट आखिर होता क्या है और ये हमें कैसे मिलेगा ?

क्रेडिट का मतलब इस सेमेस्टर के अन्तराल में एक हफ्ते, एक घंटे की थ्योरी क्लास या एक घंटे के tutorial या 2 घंटे के प्रयोगशाला के बदले प्राप्त होने वाले अंकों की मानक गणना पद्धति है , सेमेस्टर की समय सीमा 13 से 15 हफ्ते होगी |

अब प्रश्न है कि अकैडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट में छात्र अपना पंजीकरण/खाता कैसे खोले | यह इस प्रकार है:

1. सबसे पहले आपको Academic Bank Of Credit की आधिकारिक वेबसाइट https://www.abc.gov.in पर जाना है|
2. होमपेज पर my account सेक्शन में student के विकल्प पर क्लिक करें |
3. अपना मो.न. टाइप कर generate otp के option पर क्लिक करें |
4. OTP को निर्धारित स्थान पर दर्ज करें और सत्यापित करें |
5. Next page पर student registration फॉर्म मिलेगा , उसमें पूछी गयी सभी जानकारी भरें |
6. यूजर Name तथा 06 नंबर का पिन नम्बर create करें |
7. जिन छात्रों के पास पहले से digilocker में अकाउंट है वह सीधे ही लॉग इन कर सकते हैं |
8. अब आपको अपना आधार नंबर दर्ज करके account को वेरीफाई करने के लिए continue पर क्लिक करें|
9. आधार नं. ADD करने से पहले विश्वविद्यालय का चयन करें |
10. आधार से लिंक मोबाइल पर otp आएगा , जिसे निर्धारित स्थान पर टाइप करें ,Submit बटन दबाकर verify करें |
11. अब आपको Abc Id Card सफलतापूर्वक बनकर प्राप्त हो जाएगा |

यह Abc Id Card ,पैन कार्ड की तरह संभालकर रखना होगा | जिसका प्रयोग परीक्षा आवेदन में करना होगा जिससे आपके द्वारा प्राप्त क्रेडिट आपके खाते में जमा किये जा सकें |

इस Academic Bank Of Credit के फायदे |

- कोई भी छात्र डिग्री के बीच में कोर्स बदल सकता है |
- छात्र कभी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय बदल सकता है |
- छात्र के क्रेडिट abc खाते में जमा हैं तो उसकी पढाई छूट जाने के बाद वह कभी भी दुबारा पढाई शुरू कर सकता है |
- अगर छात्र एक साल बाद पढाई छोड़ता है तो उसे certificate , अगर दो साल बाद छोड़ता है तो उसे डिप्लोमा , तीन साल बाद degree एवं चार साल बाद Degree with Research मिल जाएगा |
- यह स्कीम 7 साल तक m रहेगी |

Academic Bank Of Credit (ABC) एक वर्चुअल स्टोर हाउस है जो प्रत्येक छात्र के Credit का हिसाब रखेगा | इसके लिए विश्वविद्यालय को इस स्कीम में पंजीकरण करना होगा |

Prof. Y K Sharma
NODEL OFFICER
NAD, DIGILOCKER AND ABC
Sri dev Suman University
Badshahithaul Tehri Garhwal,
Uttarakhand

महाविद्यालय एक दृष्टि में

राजकीय महाविद्यालय गदरपुर की स्थापना कुमाऊं मंडल के गदरपुर शहर में शासकीय संस्थान के रूप में 28 अक्टूबर 2021 को अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज के भवन में कला संकाय के साथ की गई। महाविद्यालय कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल से सम्बद्ध है, तथा कला संकाय में स्नातक स्तर पर हिंदी,अंग्रेजी, इतिहास,राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र,अर्थशास्त्र,तथा शिक्षाशास्त्र विषयों के साथ संचालित हो रहा है।

महाविद्यालय तराई क्षेत्र के सुप्रसिद्ध बौर जलाशय, गूलरभोज डैम से 8 किलोमीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 72 पर गदरपुर शहर के मध्य में स्थित है, जहां सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है।

वर्तमान में महाविद्यालय में कुल 425 छात्र -छात्राएं अध्यनरत हैं, जिनके शिक्षण एवं सर्वांगीण विकास हेतु छह योग्य एवं अनुभवी विषय प्राध्यापक नियुक्त हैं।महाविद्यालय कार्यालय में वरिष्ठ सहायक सहित महाविद्यालय के विभिन्न कार्यों एवं कार्यालय के कामों में सहयोग हेतु 06 उपनल कार्मिक कार्यरत हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। महाविद्यालय में एक पुस्तकालय एवं वाचनालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं हेतु 1000 से अधिक पुस्तकें,शोध पत्र, रेफरेंस पुस्तकें तथा प्रतियोगिता संबंधी पुस्तकें उपलब्ध है |

श्री प्रमोद वर्मा
असि० प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य : प्रो. शर्मिला सक्सेना

प्राध्यापक वर्ग

समाजशास्त्र विभाग
डॉ० अशोक कुमार (एसो. प्रोफेसर)

हिंदी विभाग
डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रोफेसर)

शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री प्रमोद वर्मा (असि० प्रोफेसर)

राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ० श्रीहरि प्रसाद (नि.अ.शिक्षक)

इतिहास विभाग
सुश्री प्रभजोत कौर (नि.अ.शिक्षक)

अर्थशास्त्र विभाग
सुश्री तनुजा परिहार (नि.अ.शिक्षक)

कार्यालय

वरिष्ठ सहायक
श्री हिमांशु जोशी

उपनल कर्मचारी

श्री मदन सिंह – स्वच्छक

श्री हिमांशु तिवारी – चौकीदार

श्री गौरव जोशी – बुक लिफ्टर

श्रीमती नीतू सिंह – प्रयोगशाला परिचर

श्री विजय गिरी – अनुसेवक

श्री मनोज पनेरू – अनुसेवक

Info. Desk

College Website	https://gdcgadarpur.in
College Facebook ID	https://www.facebook.com/profile.php?id=100087622763715
Kumaun University Website	https://www.kunainital.ac.in
Samarth Portal	https://ukadmission.samarth.ac.in/index.php/site/login
Routes To Roots	https://routes2roots.ngo/register
Skill Development Programme	https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeNwFkNXefyHBV8dqN-EZQfqPLG65G9hvMb_4Ug0K1XayrUWA/viewform
Anti Ragging	https://www.antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html
Anti Drug	https://pledge.mygov.in/fightagainstdrugabuse/

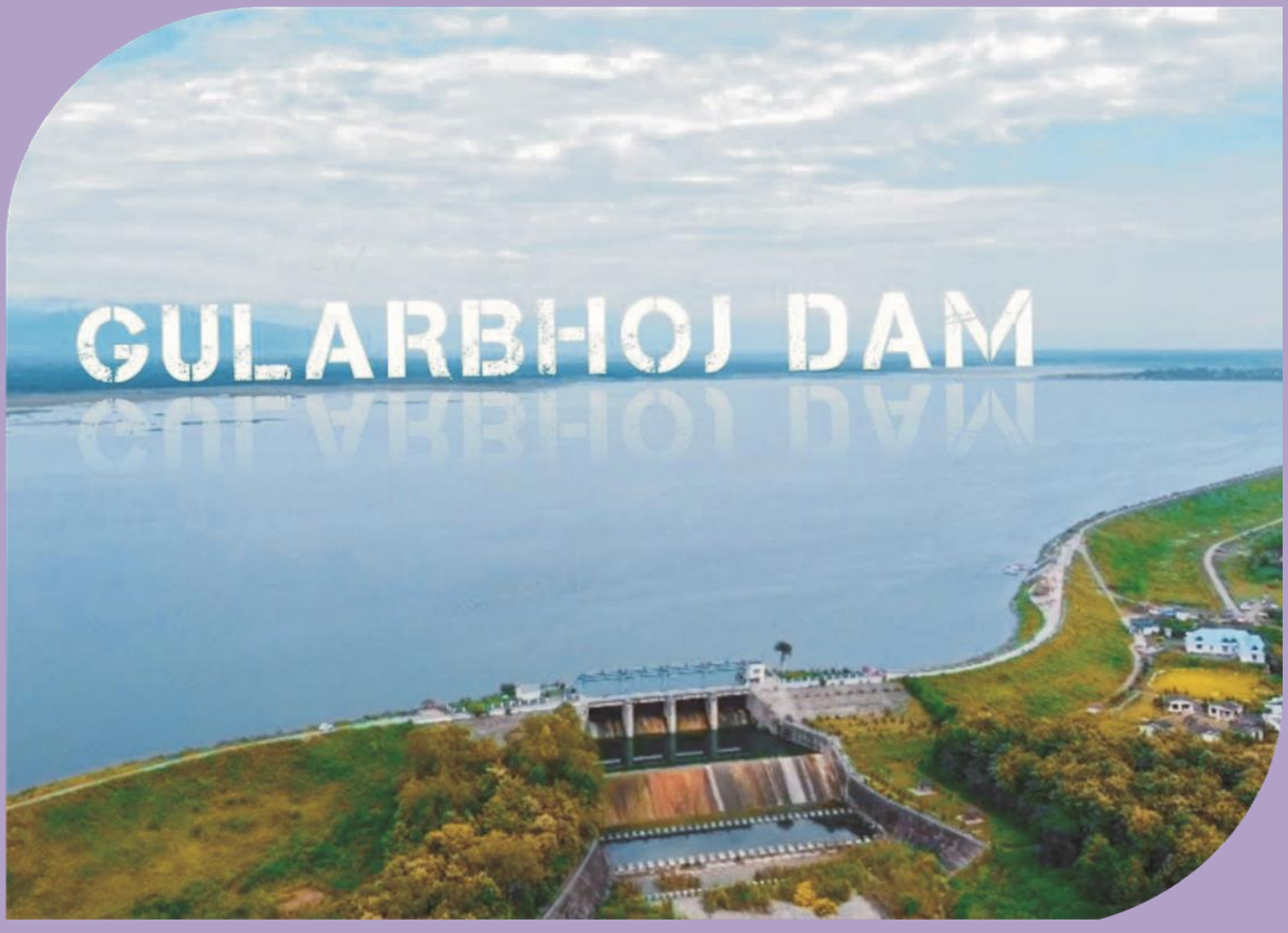

उभरता साहसिक पर्यटन केंद्र हरिपुरा बौर जलाशय गूलरभोज (गदरपुर)